



# भारत का राजपत्र The Gazette of India

असाधारण  
EXTRAORDINARY

भाग I—खण्ड 1

PART I—Section 1

प्राधिकार से प्रकाशित

PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 165 ]  
No. 165 ]

नई दिल्ली, मंगलवार, जुलाई 1, 2003/आषाढ़ 10, 1925  
NEW DELHI, TUESDAY, JULY 1, 2003/ASADHA 10, 1925

वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय

(वाणिज्य विभाग)

जाँच शुरुआत संबंधी अधिसूचना

नई दिल्ली, 1 जुलाई, 2003

**विषय : बेलारूस में भारत के एक्रिलिक फाइबर के आयात से संबंधित पाटनरोधी जाँच शुरू करना।**

**सं. 14/5/2003-डीजीएडी.—** एक्रिलिक फाइबर विनिर्माता फोरम, नई दिल्ली ने प्रतिभागी कंपनियों अर्थात् मैसर्स इंडियन एक्रिलिक्स लिमिटेड, चंडीगढ़, मैर्स कॉनसोलिडेटेड फाइबर्स एंड केमिकल्स लिमिटेड, कोलकाता, मैसर्स पसुपति एक्रिलौन लिमिटेड, नई दिल्ली के माध्यम से 1995 में यथासंशोधित सीमाशुल्क टैरिफ अधिनियम 1975 तथा सीमाशुल्क टैरिफ (पाटित वस्तुओं की पहचान, उनपर पाटनरोधी शुल्क का आकलन एवं संग्रहण तथा क्षति निर्धारण) नियमावली 1995 के अनुसार निर्दिष्ट प्राधिकारी ( जिसे आगे प्राधिकारी कहा गया है) के समथ एक याचिका दायर की है जिसमें बेलारूस के मूल के या वहाँ से निर्यातित एक्रिलिक फाइबर के पाटन का आरोप लगाया गया है तथा पाटनरोधी जाँच शुरू करने एवं पाटनरोधी शुल्क लगाने का अनुरोध किया गया है। दो अन्य घरेलू उत्पादकों अर्थात् मैसर्स इंडियन पेट्रोकेमिकल्स एंड केमिकल्स लिमिटेड, बड़ोदा, तथा मैसर्स वर्द्धमान एक्रिलिक्स लिमिटेड, लुधियाना ने याचिका का समर्थन किया है।

## शामिल उत्पाद

2. वर्तमान याचिका में शामिल उत्पाद सभी डेनियर्स में एक्रिलिक फाइबर है ( जिसे इसमें इसके बाद संबद्ध वस्तु कहा गया है)। एक्रिलिक फाइबर संश्लेषित बहुलक की एक लंबी श्रृंखला है जो एक्रिलो-नाइट्राइल इकाइयों के भार के कम से कम 90% से बना होता है। एक्रिलिक फाइबर एक्रिलिक स्पेपल फाइबर, एक्रिलिक टो या, एक्राइलिक टॉप हो सकता है। याचिकाकर्ता ने दावा किया है कि एक्रिलिक फाइबर सीमाशुल्क के अध्याय 55 के अंतर्गत संबंधित छः अंकीय वर्गीकरण 5501.30 तथा 550.30 मुख्य शीर्ष 5501 तथा 5503 के तहत वर्गीकृत है। तथापि, सीमाशुल्क वर्गीकरण केवल सांकेतिक है तथा वर्तमान जाँच के कार्यक्षेत्र पर किसी भी प्रकार बाध्यकारी नहीं है।

### घरेलू उद्योग

3. यह याचिका एक्रिलिक फाइबर्स विनिर्माता, फोरम नई दिल्ली द्वारा प्रतिभागी कंपनियों अर्थात् मैसर्स इंडियन एक्रिलिक्स लिमिटेड, चंडीगढ़, मैसर्स कॉनसोलिडेटेड फाइबर्स एंड केमिकल्स लिमिटेड, कोलकाता, मैसर्स पसुपति एक्रिलोन लिमिटेड, नई दिल्ली के माध्यम से दायर की गई है। एक्रिलिक फाइबर के कुल घरेलू उत्पादन में याचिकाकर्ताओं का हिस्सा - 50% से अधिक बनता है और इसलिए याचिकाकर्ता उपरोक्त नियमावली के नियम 5(3)(क) के अनुसार याचिका दायर करने के मापदंड को पूरा करते हैं। दो अन्य घरेलू उत्पादक, अर्थात् मैसर्स इंडियन पेट्रोकेमिकल्स एंड केमिकल्स लिमिटेड, बड़ोदा, तथा मैसर्स वर्द्धमान एक्रिलिक्स लिमिटेड, लुधियाना ने याचिका का समर्थन किया है।

### शामिल देश

4. वर्तमान जाँच में शामिल देश बेलारूस (जिसे आगे संबद्ध देश कहा गया है) है।

### समान वस्तु

5. याचिकाकर्ताओं ने दावा किया है कि उनके द्वारा उत्पादित वस्तु बेलारूस में उत्पादित, वहाँ के मूल की या वहाँ से निर्यातित वस्तु के समान वस्तु है। अतः वर्तमान जाँच के प्रयोजनार्थ, याचिकाकर्ताओं द्वारा उत्पादित वस्तु को उपर्युक्त नियमावली के अर्थ के भीतर संबद्ध देशों से आयातित “समान वस्तु” के रूप में माना जा रहा है।

### सामान्य मूल्य

6. याचिकाकर्ताओं ने पाटनरोधी नियमावली के अनुबंध 1 के पैरा 7 तथा 8 के अन्तर्गत अर्थात् बेलारूस को गैर बाजार अर्थव्यवस्था वाला देश मानते हुए बेलारूस से निर्यात के संबंध में सामान्य मूल्य का दावा किया है। अपने दावे के समर्थन में उन्होंने दिनांक 8 अक्टूबर, 2002 की ई सी अधिसूचना प्रस्तुत की है। जिसमें ईयू को पीएसएफ के निर्यात से संबंधित पाटनरोधी जाँच के बारे में बेलारूस गैर बाजार अर्थव्यवस्था वाला देश माना है। अतः याचिकाकर्ता ने सामान्य मूल्य का दावा भारत में अनुमानित उत्पादन लागत के अनुमानों जमा बिक्री, सामान्य एवं प्रशासनिक खर्च तथा लाभ के आधार पर किया है। उत्पादनलागत के अनुमान के लिए कच्ची सामग्रियों की अंतरराष्ट्रीय कीमत पर विचार किया गया है। प्राधिकारी ने याचिकाकर्ता के दावों की जाँच यथासंशोधित पाटनरोधी नियमावली के अनुबंध 1 के पैरा 7 तथा 8 के आलोक में करने का प्रस्ताव किया है। प्राधिकारी ने प्रथम दृष्टया बेलारूस में संबद्ध वस्तु के सामान्य मूल्य पर याचिकाकर्ता द्वारा उपलब्ध कराए गए उत्पादन लागत के अनुमान के आधार पर विचार किया है।

निर्यात कीमत

7. याचिकाकर्ताओं ने संबद्ध देश से एक्रिलिक फाइबर के आयात के संबंध में डीजीसीआईएंडएस द्वारा प्रकाशित आंकड़े प्रस्तुत किए हैं ताकि संबद्ध वस्तु की निर्यात कीमत निर्धारित की जा सके। कारखाना द्वार पर निर्यात कीमत निकालने के लिए समुद्री भाड़े, बीमा कमीशन अर्न्देशीय परिवहन तथा पत्तन हैंडलिंग प्रभारों के लिए समायोजनों का दावा किया गया है।

पाटन मार्जिन

8. इस बात के पर्याप्त साक्ष्य है कि संबद्ध देश में संबद्ध वस्तु का सामान्य मूल्य निवल निर्यात कीमत से काफी अधिक है जिससे प्रथम दृष्टया यह पता चलता है कि संबद्ध देश के निर्यातकों द्वारा संबद्ध वस्तु का पाटन किया जा रहा है।

क्षति एवं कारणात्मक संबंध

9. क्षति से संबंधित विभिन्न मापदंडों यथा-संबद्ध देश से आयातों में वृद्धि, घरेलू उद्योग के बाजार हिस्से में कमी, बिक्री में कमी, वस्तुसूची में वृद्धि उचित तथा वास्तविक कीमत वसूल करने में अक्षमता जिसके कारण घरेलू उद्योग की लाभप्रदता पर प्रभाव पड़ा है से प्रथम दृष्टया सामूहिक तथा संचयी रूप से यह पता चलता है कि घरेलू को उद्योग पाटन के कारण वास्तविक क्षति हुई है।

पाटनरोधी जाँच शुरू करना

10. उपर्युक्त पैराग्राफों को ध्यान में रखते हुए, निर्दिष्ट प्राधिकारी संबद्ध देशों के मूल के अथवा वहां से निर्यातित संबद्ध वस्तु के आरोपित पाटन की मौजूदगी, उसकी मात्रा तथा उसके प्रभाव की पाटनरोधी जाँच शुरू करते हैं।

जाँच की अवधि

11. वर्तमान जाँच के प्रयोजनार्थ जाँच की अवधि 1 अप्रैल 2002 से 31 मार्च 2003 तक की है।

सूचना प्रस्तुत करना

12. इस जाँच से संबंधित समझे जाने वाले संबद्ध देशों के ज्ञात निर्यातकों और भारत के आयातकों को अलग से लिखा जा रहा है कि वे निर्दिष्ट प्राधिकारी पाटनरोधी एवं संबद्ध शुल्क महानिदेशालय, वाणिज्य विभाग, वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय, भारत सरकार, उद्योग भवन नई दिल्ली-110011 को निर्धारित प्रपत्र में और निर्धारित ढंग से संगत सूचना प्रस्तुत करें तथा अपने विचारों से अवगत कराएं। कोई अन्य हितबद्ध पार्टी भी नीचे दी गई समयावधि के भीतर निर्धारित प्रपत्र में और निर्धारित ढंग से जांच से संबंधित अनुरोध कर सकती है।

समय सीमा:

13. वर्तमान समीक्षा से संबंधित कोई सूचना लिखित रूप में भेजी जानी चाहिए जो उपर्युक्त पते पर निर्दिष्ट प्राधिकारी के पास इस अधिसूचना के प्रकाशन की तारीख से 40 दिन पहले पहुंच जानी चाहिए। तथापि जिन ज्ञात निर्यातकों और आयातकों को अलग से लिखा जा रहा है, उन्हें अलग से लिखे गए पत्र की तारीख से 40 दिनों के भीतर सूचना देनी होगी।

सार्वजनिक फाइल का निरीक्षण:

14. नियम 6(7) के अनुसार कोई भी हितबद्ध पार्टी उस सार्वजनिक फाइल का निरीक्षण है जिसमें अन्य हितबद्ध पार्टियों द्वारा प्रस्तुत किए गए साक्ष्यों के अगोपनीय अंश रखे गए हैं।

यदि कोई हितबद्ध पार्टी आवश्यक सूचना जुटाने से मना करती है या उचित समयावधि के भीतर उसे अन्यथा उपलब्ध नहीं कराती है अथवा जांच में अत्यधिक बाधा डालती है तो प्राधिकारी अपने पास उपलब्ध तथ्यों के आधार पर निष्कर्ष दर्ज कर सकते हैं तथा केंद्रीय सरकार को यथोचित सिफारिशें कर सकते हैं।

एल.वी. सप्तत्रयि, निर्दिष्ट प्राधिकारी

**MINISTRY OF COMMERCE AND INDUSTRY**

(Department of Commerce)

**INITIATION NOTIFICATION**

New Delhi, the 1st July, 2003

**Subject : Initiation of Anti-dumping investigation concerning import of Acrylic Fibre from Belarus into India.**

**No. 14/5/2003-DGAD.**— Forum of Acrylic Fibres Manufacturers, New Delhi through the participating companies, viz., M/s. Indian Acrylics Ltd., Chandigarh, M/s. Consolidated Fibres and Chemicals Ltd., Kolkata, M/s. Pasupati Acrylon Ltd., New Delhi; have filed a petition in accordance with the Customs Tariff Act, 1975 as amended in 1995 and Customs Tariff (Identification, Assessment and Collection of Anti Dumping Duty on Dumped Articles and for Determination of Injury) Rules, 1995 before the Designated Authority (hereinafter referred to as the Authority) alleging dumping of Acrylic Fibre originating in or exported from Belarus and requested for Anti Dumping investigations and levy of anti dumping duties. Two other domestic producers, viz., M/s. Indian Petrochemicals and Chemicals Ltd., Baroda; and M/s. Vardhman Acrylics Ltd., Ludhiana have supported the petition.

**PRODUCT INVOLVED**

2. The product involved in the present petition is Acrylic Fibre in all Deniers (hereinafter referred as subject goods). Acrylic Fibre is a long chain of synthetic polymer composed of at least 90% by weight of Acrylonitrile units. Acrylic Fibre can be Acrylic staple fibre, acrylic tow or acrylic top. Petitioners have claimed that Acrylic Fibre is classified under Chapter 55 of Customs Tariff Classification Major Heads 5501 and 5503

with respective six digit classification 5501.30 and 5503.30. These Custom classifications are however, indicative only and are in no way binding on the scope of the present investigation.

### **DOMESTIC INDUSTRY**

3. The petition has been filed by Forum of Acrylic Fibres Manufacturers, New Delhi through the participating companies, viz., M/s. Indian Acrylics Ltd., Chandigarh, M/s. Consolidated Fibres and Chemicals Ltd., Kolkata, M/s. Pasupati Acrylon Ltd., New Delhi. The petitioners' share in the total domestic production of Acrylic Fibre is more than 50% and therefore, the petitioners satisfy the criteria of standing to file the petition in terms of Rule 5(3) (a) of the Rules supra. Two other domestic producers, viz., M/s. Indian Petrochemicals and Chemicals Ltd., Baroda; and M/s. Vardhman Acrylics Ltd., Ludhiana have supported the petition.

### **COUNTRY INVOLVED**

4. The country involved in the present investigation is Belarus ( hereinafter referred to as the subject country).

### **LIKE ARTICLE**

5. The petitioners have claimed that the goods produced by them are like articles to the goods produced, originating in or exported from Belarus. Therefore, for the purpose of the present investigation, the goods produced by the petitioners are being treated as 'like articles' to that imported from the subject country within the meaning of the Rules supra.

### **NORMAL VALUE**

6. The petitioners have claimed Normal Value in respect of exports from Belarus under para 7 & 8 of Annexure 1 of Anti Dumping Rules i.e. treating Belarus as Non-Market Economy. In support of their claim, they have produced EC Notification dated 8<sup>th</sup> October, 2002 wherein Belarus has been treated as Non-Market Economy in respect of Anti Dumping investigation pertaining to PSF exports to EU. Petitioner has thus claimed Normal Value on estimates of cost of production in India plus selling, general and administrative expenses and profits. For estimates of cost of production, international price of raw materials has been considered. The Authority proposes to examine the claim of the petitioner in the light of para 7 and 8 of Annexure 1 of the Anti Dumping Rules as amended. The Authority has prima facie considered the Normal value of subject goods in Belarus on the basis of estimates of cost of production as made available by the petitioner.

### **EXPORT PRICE**

7. The petitioners have furnished the data published by the DGCI&S regarding imports of Acrylic Fibre from subject country to determine the export price of the subject goods. Adjustments have been claimed on account of ocean freight, insurance, commission, inland transportation and port handling charges to arrive at the Export Price at ex-factory level.

### **DUMPING MARGIN**

8. There is sufficient evidence that Normal Value of the subject goods in the subject country is significantly higher than the net export price indicating prima-facie that the subject goods are being dumped by exporters from the subject country.

1824-41/03-2

**INJURY AND CAUSAL LINK**

9. Various parameters relating to injury such as the increase in imports from subject country, decline in market share of domestic industry, decline in sales, increase in inventory, inability to realize fair and reasonable price affecting profitability of the Domestic Industry prima-facie indicate collectively and cumulatively that the Domestic Industry has suffered material injury on account of dumping.

**INITIATION OF ANTI-DUMPING INVESTIGATIONS**

10. The Designated Authority, in view of the foregoing paragraphs, initiates anti-dumping investigations into the existence, degree and effect of alleged dumping of the subject goods originating in or exported from the subject country.

**PERIOD OF INVESTIGATION (POI)**

11. The period of investigation for the purpose of present investigation is 1<sup>st</sup> April 2002 to 31<sup>st</sup> March 2003.

**SUBMISSION OF INFORMATION**

12. The exporters in the subject country and the importers in India known to be concerned with this investigation are being addressed separately to submit relevant information in the form and manner prescribed and to make their views known to the Designated Authority, Directorate General of Anti Dumping & Allied Duties, Department of Commerce, Ministry of Commerce and Industry, Government of India, Udyog Bhavan, New Delhi-110011. Any other interested party may also make its submissions relevant to the investigation in the prescribed form and manner within the time limit set out below.

**TIME LIMIT**

13. Any information relating to the present investigation should be sent in writing so as to reach the Authority at the address mentioned above not later than forty days from the date of publication of this notification. The known exporters and importers, who are being addressed separately, are however, required to submit the information within forty days from the date of the letter addressed to them separately.

**INSPECTION OF PUBLIC FILE**

14. In terms of Rule 6(7), any interested party may inspect the public file containing non-confidential version of the evidence submitted by other interested parties.

In case where an interested party refuses access to, or otherwise does not provide necessary information within a reasonable period, or significantly impedes the investigation, the Authority may record its findings on the basis of the facts available to it and make such recommendations to the Central Government as deemed fit.

L.V. SAPTHARISHI, Designated Authority